No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-2

01117

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए : **3x12=36**

(क) घिर जातीं प्रलय घटाएँ
कुटिया पर आ कर मेरी
तम चूर्ण बरस जाता था
छा जाती अधिक अँधेरी ।

बिजली माला पहने फिर
मुस्क्याता था आँगन में
हाँ, कौन बरस जाता था
रस बूँद हमारे मन में ?

तुम सत्य रहे चिर सुन्दर!
मेरे इस मिथ्या जग के
थे केवल जीवन संगी
कल्याण कलित इस मग के।

(ख) प्रथम रश्मि का आना रंगिणि!
तूने कैसे पहचाना?
कहाँ, कहाँ हे बाल विहंगिनी!
पाया तूने यह गाना?
सोई थी तू स्वप्न - नीड़ में
पंखों के सुख में छिपकर,
ऊँघ रहे थे, घूम द्वार पर
प्रहरी से जुगनू नाना;
शशि-किरणों से उतर-उतरकर,
भू पर कामरूप नभचर
चूम नवल कलियों को मृदु मुख
सिखा रहे थे मुसकाना ;
स्नेह हीन तारों के दीपक,
श्वास-शून्य थे तरु के पात,
विचर रहे थे स्वप्न अवनि में,
तम ने था मंडप ताना,
कूक उठी सहसा तरुवासिनी!
गा तू स्वागत का गाना,
किसने तुझको अंतर्यामिनी!
बतलाया उसका आना?

(ग) क्षण-भर भुला सकें हम
नगरी की बेचैन बुदकती गड्ड-मड्ड अकुलाहट -
और न मानें उसे पलायन;
क्षण-भर देख सकें आकाश, धरा, दूर्वा, मेघाली,
पौधे, लता दोलती, फूल, झरे पत्ते, तितली-भुनगे,
फुगनी पर पूँछ उठा कर इतराती छोटी-सी चिड़िया -
और न सहसा चोर कह उठे मन में -
प्रकृतिवाद है स्खलन
क्यों कि युग जनवादी है।

(घ) प्रश्न थे गम्भीर, शायद ख़तरनाक भी,
इसीलिए बाहर के गुंजान
जंगलो से आती हुई हवा ने
फूँक मार एकाएक मशाल ही बुझा दी ....
कि मुझको यों अँधेरे में पकड़कर
मौत की सज़ा दी !
किसी काले 'डैश' की घनी काली पट्टी ही
आँखों पर बँध गयी,
किसी खड़ी पाई की सूली पर मैं टाँग दिया गया,
किसी शून्य बिन्दु के अँधियारे खड्डे में
गिरा दिया गया मैं !

(ङ) मगध में शोर है कि मगध में शासक नहीं रहे
जो थे
वे मदिरा, प्रमाद और आलस्य के कारण
इस लायक
नहीं रहे
कि उन्हें हम
मगध का शासक कह सकें
लगभग यही शोर है
अवन्ती में
यही कोसल में
यही
विदर्भ में
कि शासक नहीं
रहे
जो थे
उन्हें मदिरा, प्रमाद और आलस्य ने
इस
लायक नहीं
रखा
कि उन्हें हम अपना शासक कह सकें
तब हम क्या करें ?

2. भारतेंदु हरिश्चंद्र के काव्यलेखन में परम्परा और आधुनिकता का किस प्रकार निर्वाह हुआ है? सोदाहरण उत्तर दीजिए। 16

अथवा

एक कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

3. 'कामायनी' में अभिव्यक्त आधुनिक भाव बोध और संवेदना की पड़ताल कीजिए। 16

अथवा

हिंदी कविता में निराला की प्रयोगशीलता के विभिन्न पक्षों की चर्चा कीजिए।

4. दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर विचार कीजिए। 16

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य शिल्प की विशेषताएँ बताइए।

5. "अज्ञेय आधुनिक भावबोध के समर्थ रचयिता हैं।" इस कथन को सोदाहरण पुष्ट कीजिए। 16

अथवा

रघुवीर सहाय की कविता में निहित वैचारिक आधारों की ख़ोज कीजिए।